		WORKSHEET CLASS – X SUBJECT- HINDI
Iz 1		**निम्नलिखित व्याकरणिक प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।**
	1	मित्रमंडली के साथ मोहन घर पर बैठा हैं वाक्य में संज्ञा पदपंध लिखिए।
	2	'नीले सूट वाला वह लड़का चोर निकला।' वाक्य में विशेषण पदबंध छाँटकर कारण लिखिए ।
	3	अभागी वह करती भी तो क्या करती?। रेखांकित वाक्य में पदबंध का भेद कारण सहित लिखिए ।
	4	वह मैदान में खेल रहा होगा । रेखांकित पदबंध का भेद कारण सहित लिखिए –
	5	दक्षिण से उत्तर तक भारत एक है– रेखांकित पदबंध का भेद कारण सहित लिखिए ।
	6	'बाहर से आए मनुष्यों में कुछ शरारती तत्व भी है। । रेखांकित पदबंध का भेद कारण सहित लिखिए।
	7	राम ने मोहन की आधी रात तक प्रतीक्षा की। रेखांकित पदबंध का भेद कारण सहित लिखिए।
	8	' महावीर' ' समस्त पद का विग्रह कीजिए।
	9	' वनगमन में प्रयुक्त समास का नाम लिखिए।
	10	पराधीन व्यक्ति सुख के लिए तरसता है।रेखांकित पद का समास–विग्रह है कारण सहित लिखिए ।
	11	मोहन चौराहे पर खड़ा है रेखांकित पद के समास का नाम है कारण सहित लिखिए।
	12	'बहुव्रीहि' समास का उदाहरण है कारण सहित लिखिए ।
	14	वनगमन पद का समास–विग्रह है कारण सहित लिखिए
	15	निम्नलिखित वाक्य किस प्रकार का है–
		जिनकी आय अधिक है, उन्हें उदारतापूर्वक दान करना चाहिए ।
	16	निम्नलिखित वाक्यों से एक मिश्रवाक्य बनाइए –
		सिपाही आया।वह डंडा फटकार कर चला गया ।
	17	मज़दूर मेहनत करता है लेकिन उसका लाभ उसे नहीं मिलता। वाक्य का सरल वाक्य में परिवर्तित वाक्य लिखिए ।
	18	जो परिश्रम करते है वे विद्यार्थी सदा सफल होते हैं । वाक्य का सरल वाक्य में परिवर्तित वाक्य लिखिए ।
	19	जिनकी आय अधिक है,उन्हें उदारतापूर्वक दान करना चाहिए । वाक्य का सरल वाक्य में परिवर्तित वाक्य लिखिए ।
	20	'अगर–मगर' करना' मुहावरे का अर्थ लिखिए ।
	21	'आम के आम गुठली के दाम' मुहावरे का अर्थ लिखिए ।
	22	'ऊँची दुकान फीका पकवान' मुहावरे का अर्थ लिखिए ।
	23	'एक अनार सौ बीमार' मुहावरे का अर्थ है लिखिए ।
	24	'आगे कुआँ पीछे खाई' मुहावरे का अर्थ है लिखिए ।
	25	चादर से बाहर पैर पसारना मुहावरे का अर्थ लिखिए ।
		वर्णनात्मक प्रश्न (खंड–ब)
Iz 2		**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में लिखिए ।**
	1	बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए ?
	2	निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है ?
	3	लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी ?
	4	हमारे बुजुर्ग हमारी विरासत की तरह होते है। 'टोपी 'शुक्ला' पाट का उदाहरण दीजिए और यह बताइये कि आप घर के बुजुगे का कैसे ध्यान कैसे रखेंगे।
	5	आत्मत्राण 'शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पश्ट कीजिए।
	6	कवि ने 'मनुष्यता' कविता में किन–किन उदाहरणों से परोपकार का संदेश दिया है ?
	7	कबीर के अनुसार संसार में सुखी कौन है और दुखी कौन है ?
	8	'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक औा 'टोपी 'शुक्ला' नामक पात्र का बचपन एक जैसा–सा है। आपके बचपन से इनकी कथा कैसे मिलती–जुलती है?
	9	नूह कौन थे? उनके चरित्र की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?
	10	लेफ्टीनेंट को कैसे पता चला कि हिंदुस्तान में सभी अंग्रेजी 'शासन को नष्ट करने का निश्चय का चुके हैं?
	11	वर्षा ऋतु में पर्व प्रदेश का प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर चाहना वाले लोगों के दैहिक जीवन में क्या कठिनाइयाँ उत्पन्न होती

		और यह बताइये कि आप घर के बुजुर्गों का कैसे ध्यान कैसे रखेंगे।
	5	आत्मत्राण 'शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पश्ट कीजिए।
	6	कवि ने 'मनुष्यता' कविता में किन–किन उदाहरणों से परोपकार का संदेश दिया है ?
	7	कबीर के अनुसार संसार में सुखी कौन है और दुखी कौन है ?
	8	'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक औा 'टोपी 'शुक्ला' नामक पात्र का बचपन एक जैसा–सा है। आपके बचपन से इनकी कथा कैसे मिलती–जुलती है?
	9	नूह कौन थे? उनके चरित्र की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?
	10	लेफ्टीनेंट को कैसे पता चला कि हिंदुस्तान में सभी अंग्रेजी 'शासन को नष्ट करने का निश्चय का चुके हैं?
	11	वर्षा ऋतु में पर्व प्रदेश का प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर चाहना वाले लोगों के दैहिक जीवन में क्या कठिनाइयाँ उत्पन्न होती

		होंगी? उनके विषय में लिखिए।
	12	कवि ईश्वर पर संशय नहीं करना चाहता,क्यों? आत्मत्राण कविता के आाधार पर लिखिए।
	13	कंपनी बाग और तोप को विरासत क्यों माना गया?
	14	'मनुश्यता' कविता में कवि ने सबको एक साथ चलने की प्रेरणा क्यों दी है? इससे सताज को क्या लाभ हो सकता है? स्पश्ट कीजिए?
	15	मीरा के पदों का सार अपने भाब्दो में लिखिए।
	16	कर चले हम फ़िदा कविता में कि‍ा प्रकार की मृत्यु को अच्छा कहा गया हैं? और क्यों? इसमें कवि क्या संदे ा देना चाहते है?
	17	वज़ीर अली की अदम्य भाक्ति की दृढ़ता का परिचय किस पगकार मिलता है?
	18	झेन की देन पाठ के आधार बताइये कि पर्णकुटी में चाय पीने के बाद लेखक स्वयं में क्या–क्या परिवर्तन महसूस किये?
	19	डायरी का एक पन्ना के माध्यम से आपने गुलाम भारत के स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में के कवशय में जाना। आज हम आज़ाद भारत में आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों को बताते हुए पाठ से प्राप्त सीख का वर्णन कीजिए।
	20	ज़ुलूस के लाल बाज़ार आने पर क्या दशा हुई?
lk 3		vuPNn fyf[k, Tkuypk lykfLVd& सस्ता और सुलभता के कारण लोकप्रिय दूषित रसायनो की खान प्रतिबंध की आवश्यकता vFkok ;pkvks ds fy, ernku dk vf/kdkj मतदान का अधिकार क्यों लाभ आवश्यकता
lk 4		आप आराधना/ निमित हैं। विद्यालय में क्रिकेट प्रि ाक्षण ी व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य को लगभग 120 भाब्दों में निवेदन पत्र लिखिए।
प्र 5		एक सूचना तैयार कीजिए जिसमेंसभी विद्यार्थियों से निर्धन बच्चों के लिए 'पुस्तक–कोश' में अपनी पुरानी पाठ्य पुस्तकों का उदारतापूर्वक योगदान देने हेतु अनुरोध किया गया हों ।
lk 6		दिल्ली पुस्तक मेले में भाग ले रहे क,ख, ग प्रकाशन की ओर से लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।
lk 7		सच्चा मित्र विषय पर लगभग 60 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए। अथवा ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक ई–मेल लिखिए।

****

Worksheet for Pre Board 24-25
Class X
Sub Sanskrit

<table>
<tr><td>1</td><td></td><td>v/kksfyf[kra x|kka'k ifBRok iznRr iz'ukuke~ mRrjkf.k fy[krA
श्रीराजेन्द्रप्रसादो भारतगणतन्त्रराज्यस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः अभवत्। अस्य महापुरूषस्य महद्व्यक्तित्वम् उदात्तैः गौरवान्वितैश्च गुणैः राष्ट्रपतिपदानुरूपम् आसीत् खलु। अयं भारतीयसंस्कृतेः महान् उपासकः वास्तविकः भारतात्मा वर्तते स्म। अस्य देशसेवा अप्रतिम आसीत्। भारतीय स्वतंत्रता संग्रामस्य अयमन्यतं सेनानी आसीत्। देशव्यापिनी असहयोगान्दोलने श्रीराजेन्द्रो विधानकार्यं परित्यज्य श्रीगाँधिना सहभागम् अगृहणात्। महात्मा गाँधी सदैव तं स्वकीयं दक्षिणबाहुं अमन्यत्। बिहारप्रान्तस्य एकस्मिन ग्रामे 1883 तमे खिष्टाब्दे अस्य जन्म अभवत्। बाल्यकालादेव अस्य बुद्धिः तीक्ष्णा आसीत्। अस्य सरलः स्वभावः सौम्या प्रकृतिः निष्कपटः च व्यवहारः सर्वान् आकर्षयन्ति स्म।</td></tr>
<tr><td></td><td>v</td><td>,dinsu mRrjr& ¼dsoya iz'u}; ½</td></tr>
<tr><td></td><td>1</td><td>भारतराज्यस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः कः आसीत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>2</td><td>सः कस्य अयमन्यतं सेनानी आसीत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>3</td><td>अस्य देश सेवा कीदृशी आसीत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>vk</td><td>iw.kZokD;su mRrjr&¼dsoya iz'u}; ½</td></tr>
<tr><td></td><td>1</td><td>महात्मा गांधी सदैव राजेन्द्र प्रसादः किम् अमन्यत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>2</td><td>अस्य महापुरूषस्य जन्म कदा अभवत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>3</td><td>बाल्यकालादेव अस्य बुद्धिः कीदृशी आसीत्?</td></tr>
<tr><td></td><td>b</td><td>अस्य अनुच्छेदस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं लिखत।</td></tr>
<tr><td></td><td>bl</td><td>funsZ'kkuqlkje~ mRrjr& ¼dsoya iz'u=; ½</td></tr>
<tr><td></td><td>1</td><td>उदात्तैः गुणैः अनयोः पदयोः किं विशेषणपदम्?</td></tr>
<tr><td></td><td>2</td><td>'अस्य देश सेवा अप्रतिमा आसीत्' अस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम्?</td></tr>
<tr><td></td><td>3</td><td>अस्य बुद्धिः तीक्ष्णा आसीत् अत्र आसीत् पदस्य कर्तृपदं किम् अस्ति?</td></tr>
<tr><td></td><td>4</td><td>'अवगुणैः' इत्यस्य पदस्य विलोमपदं गद्यांशे किम् प्रयुक्तम्?</td></tr>
<tr><td>iz2</td><td></td><td>v/kks iznRra fp=a n`"Vok eatw"kk;ka प्रदत्तशब्दानां सहायतया पंचवाक्यानि laLÑrsu fy[krA</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>
</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>मंजूषा–चित्रं, इदं, आत्मनिर्भर, प्रारम्भः, भारतस्य, प्रधानमंत्री, महाभागः, कृतवान्, दृष्टिकोणम्, एकः, देशः:, भवेत्, भवेयुः, संसाधन, उपयोगेः, संसाधनानां, अस्ति, भारतम्, सम्पन्न।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>vFkok</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>मंजूषायां प्रदत्तशब्दानां साहाय्येन 'वर्षाऋतुः' विषयम् अधिकृत्य पंचवाक्यानां संस्कृतेन एकम् अनुच्छेदं लिखत।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>(मंजूषा – वर्षतौ, जलम्, सर्वत्र, भवन्ति, वायुः, दामिनी, जनाः कृषकाः, प्रसन्नाः वृक्षाः, न, आकाशे, मार्गाः, अवरूद्धः, जनानां, दृश्यन्ते, भूत्वा, भवति, दृश्यन्ते, नृत्यन्ति, दीव्यन्ति, आकाश, स्वच्छः, वर्षा ऋतौ, सुखदायकः)</td></tr>
<tr><td>iz3</td><td></td><td>lkSE;k fnYyh egkuxjs olfrA rL;k% l[kh efgek pSUubZuxjs fuolfrA lkSE;k;k% fo|ky;s i;kZoj.kfo"k;s ,dkxks"Bh tkrkA xks"Bh o.kZ;fr lkSE;k efgeka ,da i=a fy[kfrA eatw"kkr~ mfpr inS% fpRok i=a iwj;rA</td></tr>
</table>

		दिल्लीतः दिनाङकः —————— महिमे नमस्ते! ह्यः अस्माकं विद्यालये —————— एका महत्वपूर्णा गोष्ठी अभवत्। तत्र महानगरेषु वर्धमानं प्रदूषणं दृष्ट्वा पर्यावरणस्य ————— उपायानां विषये चर्चा अभवत्। गोष्ठ्यां वक्तृणां विचारसारः आसीत् यत् गृहात् बहिः ——— रक्ष्यासु च अवकारः न क्षेपणीयः ——————— समये समये जलशुद्धिः करणीया। मागेषु, उद्यानेषु, विद्यालयेषु च अधिकाधिकं ———— आरोपणीयाः। "वृक्षो रक्षति रक्षितः" "जलम् एव जीवनम्" एतादृशानि महावाक्यानि पट्टिकासु लिखित्वा यत्र तत्र —————— टङकणीयानि। ध्वनिप्रदूषणं निवारयितुं ध्वनिप्रसारकयन्त्राणां ————— प्रयोगः करणीयः। अस्मिन् विषये भवत्याः विद्यालये किं किं भवन्ति इति मां लिखतु। पितरौ ——————— भवत्याः सखी —————— (मंजूषा– नदीजलेषु, सौम्या, प्रियसखि, पर्यावरणविषये, न्यूनतमः, वृक्षाः, रक्षणाय, टङकनीयानि, वन्दनीयौ, जलप्रदूषणनिवारणाय।)
iz 4		v/kksfyf[kr okD; kuka l aLÑrHkk"kk; ka vuqokn fy[krA ¼dsoya ipokD; e½
	1	रमेश घोड़े से गिरता है।
	2	शेर जंगल में रहता है।
	3	बालक चित्र देखता है।
	4	वह अजमेर से आएगा।
	5	राम और श्याम पुस्तक पढते है।
	6	राम जाता है।
iz 5		v/kksfyf[kr okD; s'kq js[kkf³drinkuka l fU/ki n@l f/kfoPNsna i na ok fy[krA **(केवल प्रश्नचतुष्टयम्)**
	1	जय **जगदीशः** हरे।
	2	fpnkuUn% ब्रह्म ।
	3	बालकः fu% $ Bj% अस्ति।
	4	l % $ vfi आपणं गच्छति।
	5	मनः **कश्चित्** अवसादं भवति।
iz 6		v/kksfyf[krokD; s'kqjs[kkf³drinkuka l ekl foxzga ok inRrfodYi sH; % **चित्वालिखत——(केवलंप्रश्नचतुष्टयम्)**
	1	उष्ट्रः एकः **राजपशुः** वर्तते।
	क	राज्ञः पशुः ख राजाय पशु ग राजस्य पशु घ राज्ञे पशुः
	2	सर्वेषामेव महत्वं विद्यते ; Fkkl e; eA
	क	समये क्रम्य ख समयम् अनतिक्रम्य ग समयाय अनतिक्रम्य घ समयस्य अनतिक्रम्य
	3	ekrkfi rjkS पूजनीयौ।
	क	मातुः पितु च ख मातरौ पितरौ च ग माता च पिता च घ मातरम् पितरम्
	4	तत सचित्रं पुस्तकम् अत्र आनय।
	क	चित्रस्य समीपे ख चित्रस्य पश्चातः ग चित्रेण सहितम् घ चित्रात् पश्चात्
	5	सः enkU/k% अस्ति।
	क	मदस्य अन्धः ख मदात् अन्धः ग मदेन अन्धः घ मदात् + अंधकारः
iz 7		v/kksfyf[kr okD; s'k qjs[kkf³drinkuka izकृfr&iR; ; kS l a ksT; foHkkT; ok mfpre~ mRrja fodYi sH; % fpRok **लिखत। (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**
	1	कालिदासस्य dfo $ Ro प्रसिद्धः अस्ति।

	क	कवित्वम् ख कवीता ग कवितव घ कवीतम्
	2	cyorh हि आशा।
	क	बली + मतुप् ख बल + मतुप् ग बल + णिनि घ बल + शानच्
	3	सा ckfydk मधुरस्वरेण गायति।
	क	बालक + टाप् ख बालक + तल ग बालक + वा घ बालक + ङीप
	4	एषा prqjk बालिका अस्ति।
	क	चतुरता + टाप् ख चतुरम् + टाप् ग चतुर + टाप् घ चतुरम् + तल्
	5	वानरस्य चपल+त्व ---ज्या
	क	मित्र + तल् ख मित्र + त्व ग मित्रः + ठक् घ मित्रतम् + त्वा
iz 8		okP; kuq kje~mfpri n% fjDrLFkkukfui wjf; Rok v/kksfyf[kra okpnai u% fy[kr& **(केवलं प्रश्नत्रयम्½**
	1 क	I gjs'k% & ekyfr! fde~vfrFk; % Hkkstua &&&&& \ ¼N½ कुर्वन्ति ख करोति ग कुरूतः घ करोषि
	2 क	ekyrh & vke~Hkkr%A vfrfFkfHk% Hkkstua &&&&& A ¼N½ करोमि ख क्रियते ग करोषि घ कुर्यात
	3 क	I gjs'k% & ekyfr! fde~tud% vfi r= &&&&&\ **(उपविश)** वसति ख उपविशन्ति ग उपविश्यते घ उपगच्छति
	4 क	**मालती – भ्रातः ------- तत्र उपविश्यते। (जनक)** जनकेन ख जनकस्य ग जनकात् घ जनकम~
iz 9		**प्रदत्त विकल्पेभ्यः समुचितं कालबोधकशब्दं चिनुत। (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्½**
	1	रामू (4.45) ------- वादने पशुभ्यः घासं ददाति।
	2	सः (5:15) ------- वादने गां दोग्धि।
	3	सः (6:00) ------- वादने क्षेत्रम् गच्छति।
	4	सः (6:30) ------ वादने हलकार्यं करोति।
iz 10		eatw"kk; k% inRr% mfpr% v0; ; in% v/kksfyf[krokD; 'kqfj DrLFkkukfui wj ; r &**(केवलं प्रश्नत्रयम्)**
	1	------ व्याघ्रः दृष्टिपथे समायाति।
	2	वने शशकाः ------- भ्रमन्ति।
	3	त्वया सार्धं अहम् ------ गमिष्यामि।
	4	त्वं ------ गच्छसि।
iz 11		**अधोलिखितं वाक्येषु रेखाङ्कितपदम् अशुद्धम् अस्ति। शुद्धं पदं विकल्पेभ्यः** fpuqrA **(केवलं प्रश्नत्र**; e½
	1	I % बालकं पश्यसिA
	क	त्वम् ख सा ग यूयम् घ युवाम्
	2	ckyd% विद्यालयं गच्छतः।
	क	बालकम् ख बालकौ ग बालकाः घ बालकेन
	3	jke% हसामि।
	क	अहम् ख त्वम् ग युवाम् घ यूयम्
	4	सः dyekr~ लिखति।
	क	कलमेन ख कलमानि ग कलमम् घ कलमस्य
iz 12		अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।
		विचित्रा दैवगतिः। तस्यामेव रात्रौ तस्मिन् गृहे कश्चन् चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः। तत्र निहितामेकां मञ्जुषाम् आदाय पलायितः। चौरस्य पादध्वनिना प्रबुद्धोऽतिथिः चौरशङ्कया

		तमन्धावत् अगृहणाच्च, परं विचित्रमघटत। चौरः एव उच्चैः क्रोशितुमारभत् चौरोऽयं 'चौरोऽयं' इति। तस्य तारस्वरेण प्रबुद्धाः ग्रामवासिनः स्वगृहाद् निष्क्रम्य तत्रागच्छन् व कमतिथिमेव च चौरं मत्वाऽभर्त्यसन्। यद्यपि ग्रामस्य आरक्षी एव चौर आसीत्। तत्क्षणमेव रक्षापुरूषः तम् अतिथिं चौरोऽयम् इति प्रख्याप्य कारागृहे प्राक्षिपत्।
	क	**एकपदेनउत्तरत– (केवलं प्रश्नद्वयम्)**
	1	कीदृशी दैवगतिः?
	2	कः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः?
	3	किमादाय चौरः पलायितः?
		पूर्णवाक्येन उत्तरत– (केवलं प्रश्नद्वयम्)
	1	चौरः कः आसीत्?
	2	चौरस्य पादध्वनिना कः प्रबुद्धः?
	3	तस्य तारस्वरेण के प्रबुद्धाः?
		भाषिक कार्यम् (केवलं प्रश्नद्वयम्)
	1	'एकां मञ्जूषाम्' इत्यनयोः पदयोः विशेषण पदं किम्?
	2	'जाग्रताः' इति पदस्य पर्यायपदं गद्यांशे किम्?
	3	"मञ्जूषाम् आदाय चौरः पलायितः" इत्यस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम्?
iz 13		**अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत।**
		वायुमंडलं भृशं दूषितं न हि निर्मलं जलम्। कुत्सितवस्तुमिश्रितं भक्ष्यं समलं धरातलम्।।
		, dinu mRrjr&**(केवलं प्रश्नद्वयम्)**
	1	भक्ष्यं समलं किम्?
	2	किम् भृशं दूषितम् अस्ति?
	3	बहिरन्तर्जगति किं करणीयम्?
		iw.kZokD; su mRrjr&**(केवलं प्रश्नद्वयम्)**
	1	कीदृशः जलं नास्ति? 2 भक्ष्यं कीदृशम्? 3 किं निर्मलं नास्ति?
		Hkkf"kd dk;Ze~
	1	'अत्यधिकम्' इति पदस्य पर्यायपदं पद्यांशे किं प्रयुक्तम्?
	2	'निर्मलं जलम्' इत्यनयो पदयोः विशेष्यपदं किम्?
	3	'तोयम्' इति पदस्य पर्यायपदं पद्यांशे किम्?
iz 14		**अधोलिखितं नाटयांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत।**
		(एतस्मिन्नेव काले व्याघ्रचित्रकौ अपि नदीजलं पातुमागतौ एव विवादं श्रृणुत वदतः च)
		0;k?kfp=dkS& अरे किं वनराजपदाय सुपात्रं चीयते? एतदर्थं तु आवामेव योग्यौ। यस्य कस्यापि चयनं कुर्वन्तु सर्वसम्मत्या। flag%& तूष्णीं भव भोः। युवामपि मत्सदृशौ भक्षकौ न तु रक्षकौ। एते वन्यजीवाः भक्षकं रक्षकपदयोग्यं न मन्यन्ते अतएव विचारविमर्शः प्रचलति। cd%& सर्वथा सम्यगुक्तम् सिंहमहोदयेन। वस्तुतः एवं सिंहेन बहुकालपर्यन्तं शासनं कृतम् परमधुना तु कोऽपि पक्षी एव राजेति निश्चेतव्यम् अत्र तु संशीतिलेशस्यापि अवकाशः एव नास्ति। lo}if{k.k%& (उच्चैः) आम् आम्–कश्चित् खगः एव वनराजः भविष्यति इति।
		, dinu mRrjr&**(केवलं प्रश्नद्वयम्)**
	1	'भक्षकौ न तु रक्षकौ' इति कः कथयति?
	2	कौ विवादं श्रृणुतः आगतः?
	3	न्राजपदाय कस्मै चीयते?
		पूर्णवाक्येन उत्तरत– (केवलं प्रश्नद्वयम्)

	1	नदीजलं पातुं कौ आगतः?
	2	वन्यजीवाः कं रक्षकपदयोग्यं न मन्यन्ते?
	3	कश्चित् कः एव वनराजः भविष्यति?
		Hkkf"kd dk;Ze~
	1	"सिंहेन बहुकालपर्यन्तम् शासनं कृतम।" अस्मिन् वाक्ये कर्तृपदं किम्?
	2	"नीच्चैः"इति पदस्य विलोमपदं नाटयांशे किं प्रयुक्तम्?
	3	Þवानरराजपदाय सुपास्त्रंचीयते" वाक्येऽस्मिन् क्रियापदं किम्?
15		js[kkf³dr&inkfu vk/kR; iz'ufuekZ.ka dq r&&&**(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)**
	क	शवः i zkokjde~अपसार्य निवेदितवान्।
	ख	ग्रामस्य आरक्षी एवं pkSj% आसीत्।
	ग	सायं समयेऽप्यसौ xUr0;kn दूरे आसीत्।
	घ	iq=L; रूग्णताम् आकर्ण्य सः व्याकुलो जातः।
	ङ	izek.kkHkkokr~ न्यायाधीशः निर्णेतुं नाशक्नोत्।
	च	एकान्तप्रदेशे पदयात्रा 'kqHkkogk नास्ति।
16		eatw"kk;k% l gk;+su 'yksdL; vUo;s fjDrLFkkukfu iwfj;Rok iqu% fy[krA ;fn iq= l gL=a es] l o£= l eeo eA nhuL; rq l r% 'kØ! iq=L;kfH;f/kdk ÑikAA vUo;% & 'kØ! ;fn es 1 &&&&&&& es l o£= l eeo rq 2 &&&&&& iq=L; 3 &&&&&& vkH;f/kdk 4 &&&&&&A %eatw"kk&l r%] nhuL;] iq=] l gL=] Ñik½ vFkok eatw"kk;k% l kgk;+su 'yksdL; HkkokFkZ fjDrLFkkukfu iwfj;Rok iqu% fy[krA ikf.kuka tk;rs gkfu% ijLijfooknr%A vU;ks|l g;ksxsu ykHkLrs"kka iztk;rsAA HkkokFkZ& ijLija 1 &&&&& ikf.kuka 2 &&&&& tk;rs vU;ks|; 3 &&&&& rs"kka 4 &&&&&& iztk;rs %eatw"kk& l g;ksxsu] ykHk%] fooknr%] gkfu½
i z **17**		v/kksfyf[kr dFkkdka l eqfpr Øes.k fy[krA
	क	न्यायाधीशः तं जनं ससम्मानं मुक्तवान्।
	ख	ग्रामे करूणापरो गृही तस्मै आश्रयं प्रायच्छत्।
	ग	प्रावारकमपसार्य शवः सर्वं वृत्तान्तम् न्यायाधीशं निवेदितवान्।
	घ	एकं मञ्जूषां आदाय चौरः पलायितः।
	ङ	न्यायाधीशः तं पथिकं निर्दोषाम् अमन्यत् आरक्षिणं च दोषी।
	च	रात्रौ विजने प्रदेशे पदयात्रा न शुभावहा।
	छ	सायं समयेऽपि निर्धनः जनः गन्तव्याद् दूरे आसीत्।
	ज	अतिथिं चौरं मत्वा ग्रामवासिनः अभर्त्सयन्।
18		v/kksfyf[krokD;s"kq js[kkf³dr inkuka iz l ³xkuqdqye~ mfprkFkZa fpRok fy[kr&**(केवलं प्रश्नत्र**;e½
	1	वने सा सिंहं **ददर्श।**

		HkkokFkZ& ijLija 1 &&&&& ikf.kuka 2 &&&&& tk; rs vU; kU; 3 &&&&& rśkka 4 &&&&&& iztk; rs ¼eatwKk& lg; kxu] ykHk%] fooknr%] gkfu½
iz **17**	क	v/kkfyf[kr dFkkdka l efpr Øesk fy[krA न्यायाधीशः तं जनं ससम्मानं मुक्तवान्।
	ख	ग्रामे करूणापरो गृही तस्मै आश्रयं प्रायच्छत्।
	ग	प्रावारकमपसार्य शवः सर्वं वृत्तान्तम् न्यायाधीशं निवेदितवान्।
	घ	एकं मञ्जूषां आदाय चौरः पलायितः।
	ङ	न्यायाधीशः तं पथिकं निर्दोषाम् अमन्यत् आरक्षिणं च दोषी।
	च	रात्रौ विजने प्रदेशे पदयात्रा न शुभावहा।
	छ	सायं समयेऽपि निर्धनः जनः गन्तव्याद् दूरे आसीत्।
	ज	अतिथिं चौरं मत्वा ग्रामवासिनः अभर्त्सयन्।
18		v/kkfyf[krokD; śkq js[kkf³drinkuka iż ³xkuqdwye~ mfprkFkZ fpRok fy[kr&**(केवलं प्रश्नत्र**; e½
	1	वने सा सिंहं <u>**ददर्श।**</u>
	2	मृगाः <u>rwkłe~</u> धावन्ति।
	3	अस्मिन् <u>dkuus</u> मृगाः भ्रमन्ति।
	4	अयं <u>tEcwd%</u> धूर्तः वर्तते।
	5	राजसिंहस्य <u>Hkk; kZ</u> बुद्धिमती आसीत्।